



कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने बड़े जोश से 2025 को पार्टी का “ऑर्गनाइज़ेशन इयर” घोषित किया था

... पर छः माह बीत गए हैं, लगभग सभी राज्यों में पार्टी संगठन लगभग नदारद हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नईदिल्ली, 28 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बड़े जोर-शोर से 2025 को पार्टी में “संगठन का वर्ष” घोषित किया था। लेकिन आधा साल बीत चुका है और संगठनात्मक गतिविधियों में न तो कोई विशेष हलचल दिखती है, न ही कोई ठोस प्रगति।
राज्य-दर- राज्य कांग्रेस का संगठन निष्क्रिय अवस्था में बना हुआ है। इस स्थिति के लिए कई बरिष्ठ नेता पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। वेणुगोपाल उड़ाईसीसी महासचिव एव संगठन-प्रभारी हैं, लेकिन ज़मीन पर संगठन को मज़बूत करने के बजाय उनका पूरा ध्यान गांधी परिवार, खासतौर पर राहुल गांधी के साथ यात्रा करने पर रहता है और जहां भी राहुल जाते हैं, वे उनके साथ होते हैं।
वेणुगोपाल ने खुद को राहुल गांधी का मुख्य सहायक बना लिया है। क्या यह कोई असुरक्षा की भावना है, जो उन्हें राहुल गांधी के इर्द-गिर्द बने

- कहने को के.सी. वेणुगोपाल कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन मंत्री हैं, पर, वे पूरा समय राहुल गांधी के पीछे रहते हैं। जहाँ राहुल जाते हैं, वहाँ के.सी. वेणुगोपाल भी होते हैं। असल में वेणुगोपाल चाहते हैं कि राहुल गांधी पर उनका पूर्ण नियंत्रण रहे, राहुल गांधी उन्हीं की बांठ सुर्नें।
- मल्लिकार्जुन खड़गे कई बार रिक्त पद भरने का प्रयास कर चुके हैं, पर, खड़गे की लिस्ट को वेणुगोपाल हमेशा ठुकरा देते हैं।
- पार्टी संगठन की दुर्दशा पर किसी का ध्यान नहीं है, इस समय वेणुगोपाल व उनके समर्थकों का सारा फोकस शशि थरूर को पार्टी से निकलवाने पर है और इसके लिए रोज़ नई-नई कहानियां गढ़ी जा रही हैं।
- वेणुगोपाल केरल का मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा पाले हुए हैं और उन्हें इसमें शशि थरूर ही बाधा नज़र आते हैं, इसलिए वे थरूर को रास्ते से हटाने में जुटे हैं और इस काम में उन्हें जयराम रमेश जैसे उन नेताओं की सहायता मिल रही है, जिनकी कुर्सी खतरे में है।

साथ यात्रा करते रहते हैं, जबकि यह न तो उनके पद की भूमिका है, न ही उनकी जिम्मेदारी।
इस रवैये का नतीजा यह हुआ है कि पार्टी का संगठन बुरी तरह उपेक्षित हो चुका है। एक के बाद एक राज्य में संगठनात्मक इकाइयों निष्क्रिय होती जा रही हैं।
मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यों में खाली पड़े पदों को भरने की कई बार कोशिश की, लेकिन वेणुगोपाल ने इन प्रयासों को बार-बार विफल कर दिया। यहां तक कि वे खड़गे द्वारा तैयार की गई सूची तक को खारिज कर देते हैं।
दिलचस्प बात यह है कि वेणुगोपाल का अधिकतर ध्यान केरल पर केंद्रित है, जहां वे खुद को मुख्यमंत्री पद का दावेदार मानते हैं और वहाँ के अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को खत्म करने में लगे हैं।
उनका मुख्य निशाना शशि थरूर है। बताया जा रहा है कि वेणुगोपाल, जयराम रमेश और अन्य लोगों की मदद से, थरूर के खिलाफ मीडिया में नकारात्मक खबरें गढ़ रहे हैं, जबकि थरूर को दुनिया भर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डूंगरपुर में लैपर्ड ने 4 युवकों पर हमला किया

डूंगरपुर, 28 मई (निसं)। वरदा थाना क्षेत्र के वलोता फला लिमडी गांव में झाड़ियों में छिपकर बैठे लैपर्ड ने चार युवकों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। युवकों के चिल्लाने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जब मौके पर पहुंचे तो लैपर्ड भाग गया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार, वलोता फला लिमडी गांव निवासी मुकेश पुत्र मोगजी रोट, हाजा पुत्र कन्हैयालाल, लक्ष्मण पुत्र जीवा और शंकर पुत्र लक्ष्मण लाल चारों युवक लक्ष्मण की बहन रामी, पुत्री जीवा रोट की सगाई में गए थे। चारों युवक रीना की ससुराल से पैदल घर लौट रहे थे।

युवकों के चिल्लाने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण आ गये और लैपर्ड भाग गया।

रास्ते में वलोता डैम के पास झाड़ियों में छिपकर बैठे लैपर्ड ने मुकेश पर हमला कर दिया। उसे बचाने आए अन्य युवकों पर भी लैपर्ड ने हमला कर उन्हें घायल गंभीर रुप से कर दिया। युवकों के चिल्लाने का शोर सुनकर आस पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद लैपर्ड भाग गया। सूचना मिलने पर, वरदा पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा चारों घायल युवकों को 108 एम्बुलेंस की मदद से डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। लैपर्ड के मुव्मत के लेकर वन विभाग को सूचना दी गई है, जिस पर वन विभाग लैपर्ड मुव्मत को ट्रैक कर रैस्क्यू करने में जुटा है।

जस्टिस के.आर. श्रीराम होंगे राजस्थान हाई कोर्ट के नए चीफ जस्टिस

मौजूदा चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव को मद्रास हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त करने की सिफारिश की गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 28 मई। एक अन्य बड़े फेर-बंद के अन्तर्गत, सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने राजस्थान, त्रिपुरा, झारखण्ड तथा मद्रास उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के तबादलों की सिफारिश की है। यह निर्णय 26 मई को मुख्य न्यायाधीश बी आर आई गवई की अध्यक्षता में हुई कोलीजियम की मीटिंग में लिया गया।
कोलीजियम ने सुझाव दिया है कि राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव का तबादला मद्रास उच्च न्यायालय में और मद्रास हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के.आर. श्रीराम का तबादला राजस्थान हाईकोर्ट में कर दिया जाए साथ ही त्रिपुरा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अपरेश कुमार सिंह का तबादला तेलंगाना उच्च न्यायालय में तथा जस्टिस एम.एस. रामचन्द्र राव का तबादला झारखण्ड से त्रिपुरा उच्च

- जस्टिस के.आर. श्रीराम मूलतः बॉम्बे हाई कोर्ट से हैं, उन्हें 21 सितम्बर 2024 को मद्रास हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस बनाया गया था।
- सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने चीफ जस्टिस बी.आर. गवई की अध्यक्षता में राजस्थान, त्रिपुरा, झारखंड और मद्रास हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के तबादले की सिफारिश की है।

न्यायालय में कर दिया जाये। जस्टिस श्रीवास्तव मूलतः छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय से तथा जस्टिस श्रीराम बाम्बे हाईकोर्ट से हैं।
सर्वोच्च न्यायालय ने उच्चतर न्यायालिका में भारी बदलाव करते हुये, 10 उच्च न्यायालयों के 21 जजों की तबादले विभिन्न उच्च न्यायालयों में करने की अनुशंसा की है।
28 सितंबर, 1963 को मुंबई में जन्मे सीजे केआर श्रीराम ने मुंबई विश्वविद्यालय से एलएलबी करने के

बाद लंदन से समुद्री विज्ञान में एलएलएम किया। वहीं, वे जुलाई 1986 को महाराष्ट्र एवं गोवा बार कौंसिल में वकील के रूप में पंजीकृत हुए। बतौर वकील उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट, उपभोक्ता आयोगों, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण और कंपनी कानून बोर्ड में सफलतापूर्वक वकालत की। उन्हें 21 जून, 2013 को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर में आज कोरोना के 5 नये केस आये

जयपुर, 28 मई । राजस्थान में कोरोना वायरस एक बार फिर से दस्तक देता नज़र आ रहा है। बुधवार को प्रदेश भर से कोविड के 7 नए मामले सामने आए, जिनमें से सर्वाधिक 5 केस जयपुर से रिपोर्ट हुए हैं। अन्य दो मामले जोधपुर से मिले हैं।
जानकारी के अनुसार, बुधवार को संक्रमितों में 16 वर्षीय बालक बालोतरा से, बीकानेर से 31 वर्षीय महिला और दौसा से एक 5 वर्षीय बच्चा है। शेष चार

आज रिपोर्ट हुए संक्रमितों में दौसा का एक 5 वर्षीय बच्चा भी है।

मरीजों में से 51 वर्षीय, 38 वर्षीय और 40 वर्षीय पुरुष तथा 24 वर्षीय महिला जयपुर से संक्रमित पाए गए। ये केस राज्य के विभिन्न प्रतिष्ठित अस्पतालों, एम्स जोधपुर (2), एसएमएस जयपुर (2), आरयूएचएस (1), जयपुरिया (1) और एक विश्वसनीय स्रोत से रिपोर्ट हुए हैं।
राज्य में वर्ष 2025 की शुरुआत से अब तक कुल 39 कोरोना संक्रमित (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अल्पसंख्यकों और राष्ट्रवादी समूहों, दोनों को साधने में जुटी हैं ममता बनर्जी

प.बंगाल की मु.मंत्री, देश के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति में भी प्रासंगिकता बनाए रखना चाहती हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 28 मई। तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका के साथ-साथ, पश्चिम बंगाल में अपने परंपरागत अल्पसंख्यक वोट बैंक पर पकड़ बनाए रखने के उद्देश्य से, दोनों पक्षों को साधने की रणनीति अपनाने की कोशिश कर रही है।
पार्टी के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के सिलसिले में विभिन्न देशों के नेताओं को जानकारी देने वाली राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनकर मजबूती से अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने पाकिस्तान को 'एक पागल कुत्ते का संचालक' कहकर करारा हमला बोला। इस बयान से उन्हें सत्तारूढ़ दल की सराहना तो मिली ही, साथ ही उन्होंने खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रखर राष्ट्रवादी के रूप में प्रस्तुत भी किया।
हालांकि, पाकिस्तान को “पागल

- ममता के भतीजे अभिषेक, जो संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान गए हैं, ने पाकिस्तान को “पागल कुत्ते का हैंडलर” करार दिया। उनकी इस टिप्पणी को ममता बनर्जी की राष्ट्रवादियों का समर्थन जुटाने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।
- अभिषेक बनर्जी की इस टिप्पणी से राष्ट्रवादी सोच वाले लोग तो खुश हैं पर संभावना है कि बंगाल का अल्पसंख्यक वोट बैंक इससे नाखुश हो सकता है।
- बंगाल के राष्ट्रवादी तबके को खुश करने के लिए अभिषेक बनर्जी ने जापान में रासबिहारी बोस का भी जिक्र किया और वे उनके स्मारक पर भी गए।

कुत्ता” कहना बंगाल की मुस्लिम आबादी के बीच खतरा पैदा कर सकता है। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की साजिशों और आतंकी हमलों के बावजूद, बंगाल का मुस्लिम समुदाय किसी भी टकराव की स्थिति में पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति रखता है।

मुस्लिम बिरादरी किन्हीं भी राष्ट्रीय सीमाओं को नहीं मानती है। यहाँ तक कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच होता है, तब भी बड़ी संख्या में मुसलमान पाकिस्तान का समर्थन करते हैं। ऐसे में अभिषेक बनर्जी के बयान, राष्ट्रीय या

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भले ही उन्हें प्रशंसा दिलाएं, परंतु, राज्य में अल्पसंख्यकों के बीच इसका विपरीत प्रभाव हो सकता है।
ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बनी संयुक्त संसदीय टीम में बनर्जी की भूमिका भी कुछ हद तक जटिल रही। सरकार की ओर से टीम के लिए पहले सुझाए गए नाम को तृणमूल कांग्रेस ने खारिज कर दिया। पार्टी ने वरिष्ठ सांसद सुदीप बंधोपाध्याय को टीम के साथ जापान यात्रा पर जाने से रोक दिया और कहा कि पार्टी खुद तय करेगी कि कौन जाएगा।
बाद में पार्टी ने यूसुफ पठान के नाम को भी अस्वीकार कर दिया, जिससे उन्हें टीम से हटना पड़ा। इसके बाद ही, पार्टी ने अभिषेक बनर्जी को शशि थरूर के नेतृत्व वाली संयुक्त संसदीय टीम में बतौर प्रतिनिधि भेजा, जो कि ममता बनर्जी के भतीजे भी है।
जापान में, पाकिस्तान के खिलाफ (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने प्रो. महमूदाबाद की अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाई

नयी दिल्ली, 28 मई। शीर्ष अदालत ने अशोका यूनिवर्सिटी के प्रो. अली खान महमूदाबाद को 21 मई को दी गई अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने का निर्देश दिया और कहा कि वह इस मामले में जुलाई में सुनवाई करेगी। इसके साथ ही एसआईटी को हरियाणा में दर्ज दो

■ सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी को हिरायात दी कि हरियाणा में दर्ज दो मुकदमों के तथ्यों तक ही जांच को सीमित रखा जाए।

भारत की विशाल सैन्य क्षमता का मुकाबला करने के लिए हल्के परमाणु हथियार विकसित कर रहा है पाकिस्तान

अमेरिका की डिफेंस इन्टैलिजेंस एजेंसी ने 2025 की अपनी रिपोर्ट में दावा किया

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 28 मई। पाकिस्तान की रक्षा नीति लंबे समय से चली आ रही इस धारणा पर आधारित है कि भारत उसके अस्तित्व के लिए खतरा है। यह धारणा कोई नई नहीं है, बल्कि उपमहाद्वीप के इतिहास, 1947 के विभाजन के दर्द, कई युद्धों और कश्मीर मुद्दे पर जारी शत्रुता से गहराई से जुड़ी हुई है। पाकिस्तान के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व के लिए भारत की पारंपरिक सैन्य श्रेष्ठता, जो उसकी विशालता, आधुनिकता, वायु सेना, नौ सेना और मिसाइल प्रणालियों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, पाकिस्तान के लिए सिर्फ एक रणनीतिक चुनौती नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व के लिए मूलभूत खतरा है।
यह आंकलन अमेरिका की डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (डीआईए) की 2025 वर्ल्डवाइड रैंक एसेसमेंट रिपोर्ट से सामने आया

- “वर्ल्ड वाइड श्रैंट असेसमेंट” शीर्षक वाली डी.आई.ए. की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान 1947 से ही भारत के डर के साये में जी रहा है।
- भारत की विशाल सेना की आधुनिकता और पारंपरिक श्रेष्ठता को पाकिस्तान रणनीतिक चुनौती से भी कहीं अधिक, अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है।
- इस डर की वजह से पाकिस्तान कम दूरी तक मार करने वाले हल्के परमाणु हथियार हासिल करने पर फोकस कर रहा है, ताकि, जब भी भारत, पाकिस्तान के आतंकी अह्दों को निशाना बनाए तो पाकिस्तान इनका इस्तेमाल कर भारत को रोक पाए।
- डी.आई.ए. ने अपनी रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि पाकिस्तान की यह रणनीति बेहद खतरनाक है, यह न केवल परमाणु युद्ध का कारण बन सकती है, बल्कि इनकी चोरी और सनक में या गलतफहमी में इनके दुरुपयोग का भी भारी खतरा है।

है। यह रिपोर्ट पाकिस्तान की सैन्य नीति और रणनीतिक सोच, खासकर भारत के प्रति उसके नजरिये, पर एक गंभीर अन्तर्दृष्टि प्रदान करती है। इसके जवाब में पाकिस्तान ने आक्रामक

सैन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया है। डीआईए की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान खास तौर पर भारत के साथ सैन्य क्षमता की बड़ी खाई को पाटने के लिए विषम क्षमताओं के विकास

पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है। इस प्रयास का मुख्य आधार है, बैटल फील्ड या टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियारों का विकास, ये कम-क्षमता वाले, सीमित दूरी तक मार करने वाले परमाणु हथियार

उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा में बारिश

नयी दिल्ली, 28 मई। देश के 17 राज्यों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। बुधवार को मानसून समय से 12 दिन पहले छत्तीसगढ़ और 13 दिन पहले ओडिशा पहुंचा। दोनों राज्यों के कुछ जिलों में तेज बारिश हुई।
महाराष्ट्र के मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़ में आज भारी बारिश हो रही है। यहां बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बदलापुर, उल्हासनगर,

■ राजस्थान के अन्य भागों में लू और आंधी का प्रकोप देखा जा रहा है।